दून सिल्क

चर्चा में क्यों?

दून सिल्क **को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन (UCRF)** के तहत एक लेबल है जो **उत्तराखंड की प्राचीन रेशम-बुनाई परंपराओं** को बनाए रखने और पुनर्स्थापित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

मुख्य बिंदु

- दून सिल्क के उत्पाद उत्तराखंड के किसानों, रीलरों (Reelers), बुनकरों, शिल्पकारों और रंगाई करने वालों की प्रतिभा एवं कलात्मकता के प्रमाण हैं।
- यह ब्रांड रेशम, ऊन, कपास, **बिछुआ (बिच्छू बूटी) और** जूट **(Hemp) जैसे** प्राकृतिक रेशों से बने उत्पादों की एक शृंखला प्रस्तुत करता है, जिन्हें पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालने के लिये चुना गया है।
- **गुणवत्ता और शिल्प कौशल के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता ने इसे राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाज़ारों में महत्त्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने में सहायता की है।**
- हथकरघा पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करके, दून सिल्क **पारंपरिक तकनीकों को बनाए रखता है तथा** उत्तराखंड में 6,000 से अधिक लोगों को **स्थायी रोज़गार की संभावनाएँ** प्रदान करता है।
- दून सिल्क की **100% प्राकृतिक फाइबर की गारंटी** शुद्धता के प्रति उसके समर्पण को दर्शाती है।

को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन (UCRF)

- इसकी **स्थापना वर्ष 2002** में उत्तराखंड के **रेशम उत्पादन विभाग की कोकून-पश्चात गतिविधियों** को संचालित करने के उद्देश्य से **देहरादून में** की गई थी।
- 20 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, संगठन ने ऊनी और रेशमी मिश्रित कपड़ों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए **उत्तराखंड की पारंपरिक रेशम बुनाई को पुनर्जीवित** किया है।
- UCRF और इसका ब्रांड दून सिल्क पर्यावरण तथा **पारिस्थितिकी तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यूनतम** करने के लिये रेशम, ऊन, कपास, बिच्छू बूटी एवं जूट जैसे **प्राकृतिक रेशों का उपयोग करके हथकरघा उत्पादन को प्राथमिकता** देते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/doon-silk